प्रेस विज्ञप्ति

विश्व का सबसे बड़ा गुलदस्ता है भारतीय भाषाएँ : प्रो मनोज दीक्षित

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से आयोजित की जा रही "इंटरनेट टूल्स के माध्यम से अनुवाद: चुनौतियों एवं समाधान" के तीसरे व अंतिम दिन के कार्यक्रम के प्रथम सत्र के वक्ता डॉ वसीम अख्तर, अध्यक्ष, तालिमी बेदारी लखनऊ ने कहा कि शिक्षा इस सदी का सबसे शक्तिशाली हथियार है और इसके बल पर आज कोई भी विश्व विजेता बन सकता है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की वक्ता डॉ रचना ने भाषा के महत्त्व पर अपने विचार रखे उन्होंने कहा कि ना सिर्फ विद्यार्थी जीवन बल्कि कार्यक्षेत्र में भी भाषा विशेष स्थान रखती है। उन्होंने बताया कि अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने से हमारी विषय की समझ और बेहतर हो जाती है।

भारतीय भाषा समिति के सदस्य, श्री चंदन श्रीवास्तव ने भारतीय भाषा समिति की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा का दायरा अलग अलग भाषाओं तक बढ़ाया जा रहा है और समिति 270 से अधिक भारतीय भाषाओं के उत्थान के लिए लगातार कार्यरत हैं।

कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि, प्रो मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की भाषाएँ विश्व का सबसे बड़ा गुलदस्ता है। उन्होंने भारतीय भाषा के महत्त्व पर चर्चा करते हुए कहा कि लैटिन भाषाओं की अपेक्षा भारतीय भाषाएँ, कहीं अधिक वैज्ञानिक तथा प्रामाणिक है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय भाषाएँ समय के साथ परिवर्तनशील है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनबी सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला ने भाषाई अनुवाद को तकनीक से जोड़ने का काम किया और उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा साहित्य एवं अन्य विषयों का अनुवाद कार्य निरंतर प्रगतिशील रहेगा।

कार्यशाला के अनुभवों को बांटते हुए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से आए शोधार्थी सरफराज, रहनुमा बानो, हुमैरा ने अपने विचार सबके सम्मुख रखे। उन्होंने कहा कि अनुवाद को लेकर उनके दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन आया है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के समन्वयक प्रो मसूद आलम ने दिया तथा मंच का संचालन डॉ नीरज शुक्ल, कुलानुशासक भाषा विश्वविद्यालय ने किया। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक, शोधार्थी तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

डॉ तनु डंग

मीडिया प्रभारी

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय